

राज्यपाल ने प्रदेशवासियों से अपने कार्यकाल से जुड़े संस्मरण मांगे
'चरैवेति!चरैवेति!! (दो)' का होगा प्रकाशन

लखनऊ: 22 जून, 2019

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने प्रदेश के नागरिकों का धन्यवाद और आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि राज्यपाल के रूप में उनके पांच साल के कार्यकाल पर आधारित अपने संस्मरण भेजें ताकि उसे उनकी पुस्तक 'चरैवेति!चरैवेति!! (दो)' में सम्मिलित किया जा सके। राज्यपाल अपने कार्यकाल से जुड़े संस्मरणों को शब्दों का रूप देंगे। नागरिकगण अपने संस्मरण डाक या ई-मेल me@ramnaik.com पर 20 जुलाई 2019 तक प्रेषित कर सकते हैं। संस्मरण के साथ अपना रंगीन छायाचित्र और संक्षिप्त परिचय भेजने का सुझाव भी दिया गया है। श्री नाईक ने पांच साल पहले 22 जुलाई 2014 को उत्तर प्रदेश के राज्यपाल पद की शपथ ली थी।

राज्यपाल ने कहा कि प्रदेश की जनता से उन्हें अपने पांच साल के कार्यकाल में भरपूर सहयोग, सम्मान, स्नेह और समर्थन मिला। राज्यपाल चाहते हैं कि प्रदेश की जनता के संस्मरण को अपनी दूसरी पुस्तक में संजोये, जो उनके और प्रदेश की जनता के बीच आजीवन एवं अनवरत संवाद बनाये रखने की दृष्टि से, उनके लिए एक अनमोल तोहफा होगा। पांच साल तक राज्यपाल ने निरंतर अपना वार्षिक कार्यवृत्त (राजभवन में राम नाईक) के नाम से प्रकाशित करके आम जनता तक अपनी बात पहुंचाने का प्रयास किया। पांचवे साल का कार्यवृत्त का विमोचन 15 जुलाई 2019 को होगा।

राज्यपाल ने गत पांच वर्षों में 30,107 लोगों से भेंट की तथा 1,730 सार्वजनिक कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इस दौरान नये लोगों से भेंट हुई और नये संबंध भी बने। श्री नाईक ने राज्यपाल को प्रतिवर्ष देय 20 दिन के अवकाश में से गत पांच वर्षों में 100 दिन के स्वीकृत अवकाश में केवल 22 दिन का ही अवकाश लिया।

अंजुम/ललित/राजभवन (214/30)